

असाधाररण EXTPAOR Dida a v

भाग II—इन्द्र 3—उप-इन्द्र (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

. Ho. 168] .. No. 168] नई विल्ली, संगलवार, भार्च 29, 1988/धैन्न 9, 1910

168] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 29, 1988/CHAITRA 9, 1910

इस भाग में भिन्न पूछ संबंधा की काती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रका का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

अम संस्रालय

ग्रादेश

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1988

का.भा. 320(भ्र): —दिनांक 31-10-86 के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 2 पर प्रकाशित, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की तारीख 31-10-86 की भ्रधिसूचना संख्या का.भा. 823(भ्र) द्वारा गठित राष्ट्रीय औद्योगिक श्रधिकरण, कलकत्ता के कार्यालय में पीठासीन भ्रधिकारी का पद रिक्त हुआ है।

792 GI/88

.)

अनः भ्रम, औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 को 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री सुकुमार चक्रवर्ती को उक्त राष्ट्रीय श्रीद्योगिक अधिकरण, कलकता का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

> [संख्या एल-51016/1/86-ग्राई. एण्ड ई. (एस.एस.)] हीरक घोष, संयुक्त सचित्र

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 29th March, 1988

S.O. 320(E).—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the National Industrial Tribunal, Calcutta constituted by Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 823(E) dated 31-10-1986 published at page 2 of Part II, Section 3, sub-Section (ii) of the Gazette of India Extraordinary dated 31-10-1986.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Sukumar Chakravarty as the Presiding Officer of the said National Industrial Tribunal, Calcutta.

[No. L-51016]1[86-I&E(SS)] HIRAK GHOSH, Jt. Secy.